[श्री रामानन्द यादव]

दुकान पर राशन लेने के लिए पहुंचा और कहा कि भाई तुम ऐसा क्यों करते हो, हम तो गरीब आदमी है, बाहर से खरीद कर खा नहीं सकते है, हाल ही में हमारे पिता जी जो सरकारी अफसर थे, उनको लकवा मार गया था, उनकी मृत्यु हो गयी है। दो-तीन साल से हम लोग बहुत परेशान हैं, हम तो ब्लैक-मार्केट में खरीद करके खा नहीं सकते हैं। तुमने हमारे साथ ऐसा गलत काम क्यों किया ?

इस पर वह दुकानदार जगदीशचन्द्र बहुत गर्म हो गया। राशन की दुकान वाले ने कहा कि यहां से चले जाओ, हमने तुम्हारा राशन दे दिया है, तुम्हें राशन नही मिलेगा। लड़के ने कहा कि हम तो राशन लेकर जायेंगे। तब जगदीश चन्द्र दुकानदार अपने कुछ साथियों के साथ लोहे का छड़ लेकर आया और उस लड़के को छड़ से मारा.. (व्यवधान) देखिये आप दुकानदारो से इस तरह से दोस्ती करेंगे, तो काम नहीं चलेगा (व्यवधान) यह दिल्ली के सारे दुकानदार उनके ही लोग है। अब ऐसा किया कि ..(व्यवधान)

श्री सत्यपाल मलिक (उत्तर प्रदेश) : बात क्या हुई ? मेरा निवेदन है कि तीन मिनट का स्पेशल मेंशन है, और बाकी लोग बैठे रहते है। यह सीनियर सदस्य हैं, इसी बात को कायदे से कह सकते थे। मेरा केवल इतना ही निवेदन है।

श्री रामानन्द यादव : आप जब कायदे से कहते हैं, तो हम भी सुनते हैं। आपका कायदा क्या है, मैं जानता हूं, सारा सदन जानता है। आप उसे बचाने के लिए यह सब कर रहे हैं।

उपसभाध्यक्ष जी, उस दुकानदार ने छड़ से उस लड़के का सिर फोड़ दिया। वह सफदरजंग अस्पताल में भरती हुआ, दो दिन के बाद रिलीज हुआ। उस दुकानदार के खिलाफ पहले भी सरोजनी नगर के नाग-रिकों ने, करीब करीब चार-पांच सौ आदमियों ने दस्तखत करके कम्पलेन्ट दिया था।... उसकी दुकान कुछ दिनों के लिये सील कर दी गयी थी लेकिन पैसे के बल पर वह बराबर अपनी दुकान खुलवा लेता है, जैसा आप, उपसभाध्यक्ष जी, जानते हैं। मैं चाहता हूं कि जल्द से जल्द उसकी दुकान कैंसिल कर दी जाय और पुलिस मुहकमे के लोग जो केस उसके ऊपर किया गया है उस को चालू करें। आज पुलिस वाले उस लड़के पर दबाव डाल रहे हैं कि तुम काम्प्रोमाइज कर लो, केस मे कुछ है नहीं, यह पैसे वाला है, यहां के लोगों को एप्रोच करेगा और मलिक जैसे आदमी जाकर खुशामद करेंगे कि उसका केस रफा-दफा कर दिया जाय। (व्यवधान) माफ करिए, यही आप लोगों का पेशा है।

श्री सत्यपाल मलिक : आप का मिनिस्टर है,आपकी सरकार है, आपकी पुलिस है, आप जो चाहे करा सकते हैं, फिर भी आप सदन का वक्त जानबूझकर वर्बाद कर रहे हैं।

श्री रामानन्द यादव : ... उसको या उसके किसी आदमी को दूकान नहीं मिलनी चाहिए।

REFERENCE TO THE FLOOD HAVOC IN TRIPURA

SHRIMATI ILA BHATTACHARYA (Tripura): Mr. Vice-Chairman, the situation in Tripura due to flood havoc is very grave, very serious. About five lakh people are affected due to the flood. Recently Tripura has been severely affected by floods. Vast areas of land have been inundated. Thousands of people have been rendered homless and massive destruction caused to property. Road communication is seriously disrupted. Assam-Agartala road, Tripura's only link with the rest of the country, is unusable due to over 60 heavy landslides. Almost all district and sub-divisional towns are cut off from the State capital . It has been impossible to move foodgrains from one part of the State to another. The food situation in the State has, therefore, become alarming now. In this connection the Chief Minis-

ter of Tripura had sent a rediogram on 21st June, 1983 to the Prime Minister and had emphasized the need for building up stocks, particularly in the inaccessible areas of the State. This has been followed up by numerous communications to the Food and Civil Supplies Minister both at the political and at the administrative levels. Unfortunately the Centres response was most unsympathetic. Today we in Tripura find ourselves in the most helpless condition due to the unhelpful attitude of the Centre, especially the Food and Civil Supplies Ministry. It has not been possible to build stocks anywhere in the State. With all communications cut off, we find that in most of the areas there is hardly three days' stock of foodgrains available. I regret that due to the inability of the Food and Civil Supplies Ministry to appreciate the realities, the people of the State are now suffering. Tripura needs assistance from the Centre for relief work at this juncture. I want to remind the Government that in the first week of July the State had witnessed another flood causing widespread damage and the State Government had to spend about Rs. 40 lakhs on relief works. No Central team visited Tripura at that time to assess the loss and recommend assistance. Therefore, I urge upon the Government to send a Central team immediately for this purpose and rush immediate foodgrains and other help to the State. Thank you.

SHRI HAREKRUSHNA MALLICK (Orissa): Sir, I endorse what she has said. The Centre should immediately rush supplies to Tripura.

SHRI ARABINDA GHOSH (West Bengal): Sir, the concerned Minister should immediately rush food to Tripura (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKA): Order, please.

REFERENCE TO THE REPORTED MAL-ADMINISTRATION IN HINDUSTAN SALTS LIMITED

श्री हरी शंकर भाभड़ा (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं सरकार का ध्यान राजस्थान में नमक बनाने का जो सब से बड़ी झील है, सांभर झील, जिस में लगभग 1 करोड़ रुपये का नमक का जो नुकसान हुआ है उस की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। यह नमक उत्पादन का काम हिंदुस्तान साल्ट के नाम से होता है जिस में 51 प्रतिशत शेयर केन्द्रीय सरकार के हैं और 49 प्रतिशत शेयर राजस्थान सरकार के हैं। दो हजार टन नमक इस में पैदा होता है प्रति दिन। पिछली बार 1975 में भी इसी प्रकार वहां वर्षा हुई थी और उसके बाद लगभग 3 साल तक नमक बनाने का काम बन्द रहा। इस बार फिर से वही स्थिति पैदा हो गयी है और लगभग तीन हजार मजदूरों के बेकार हो जाने की संभावना पैदा हो गई है। मान्यवर, यह जो नुकसान हुआ है इसके लिये वहां जो प्रबन्ध निदेशक हैं वह भी जिम्मेदार हैं क्योंकि कायदे से यह नमक उत्पादन का काम 30 मई को बन्द होकर 30 जून तक सारा नमक जो झील मे रहता है उसको वहां से हटा कर बाहर भेज दिया जाता है। यदि वहां के प्रबन्ध निदेशक ने जब कि इस बार वर्षा पहले से लेट हुई झील में 25 से 28 के बीच में ही वर्षा हुई, तब तक नमक उठाया नहीं गया था और वहां कुछ मजदूरों को परेशान करने के लिये उन पर मजदूरों को घर बैठा दिया गया और इस कारण नमक वहां पड़ा रहा। इस प्रकार से प्रबन्ध निदेशक की स्वयं की दुरव्यवस्था के कारण यह नमक बहा।

दूसरी बात 15 जून तक इस झील में जहां से पानी आता है, उन पानी आने के कुछ स्थानों को बन्द कर दिया जाता है। लेकिन प्रबन्ध निदेशक जो वहां हैं—मुझे यह बताया गया है कि वह किसी